केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 222 शनिवार 7 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत, तीन घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। तेज रफ्तार दो मोटरसाइकिलों की आमने–सामने की टक्कर में एक युवक की मृत्यु हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना लालगंज थाना क्षेत्र के छिबरा गांव स्थित राम जानकी मार्ग पर हुई। जानकारी के अनुसार, दोनों बाइकें तेज गति से आ रही थीं और अचानक उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा–तफरी मच गई।

राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरहा पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने 36 वर्षीय भरत शर्मा, निवासी रसूलपुर, को मृत घोषित कर दिया।

वहीं, विशाल, निर्मला और जितेंद्र नामक तीन अन्य घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। ये तीनों नगर थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

ट्रेन की चपेट में आई महिला की, मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर–लखनऊ रेल खंड पर वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गोविंद नगर स्टेशन के पश्चिमी आउटर के पास बीती रात एक हादसा हो गया। यहां रेलवे के अप ट्रैक पर एक 56 वर्षीय महिला का शव मिला। सूचना मिलने पर वाल्टरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। शुरुआत में महिला की पहचान करना मुश्किल था।

पुलिस को घटनास्थल के पास एक बैग मिला। बैग की तलाशी लेने पर उसमें आधार कार्ड और पैन कार्ड मिले, जिनसे मृतका की पहचान 56 वर्षीय उमा ओझा पत्नी रामेश्वर दत्त ओझा के रूप में हुई। वह कोतवाली थाना क्षेत्र के कटरा की निवासी थीं।

थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला ट्रेन की चपेट में आने का प्रतीत होता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि महिला रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंची।

समीक्षा बैठक 9 मार्च को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती एकता सिंह 9 मार्च को दिन में 11 बजे सर्किट हाउस सभागार में महिला जनसुनवाई/समीक्षा बैठक करेंगी। उक्त जानकारी जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश कुमार ने दी है।

और उग्र हुआ युद्ध, बढ़े हवाई हमले

तेल अबीब/ नई दिल्ली (आभा)। ईरान की राजधानी तेहरान और अन्य प्रमुख शहरों पर हवाई हमलों की एक नई और भयंकर लहर शुरू हो गई है। तेहरान विश्वविद्यालय के आसपास और आवासीय क्षेत्रों सहित कई स्थानों पर रात भर बड़े विस्फोट हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान के पूर्वी और दक्षिण–पूर्वी हिस्सों में बमबारी पहले के दिनों के मुकाबले कहीं अधिक तीव्र रही है। इसके अलावा, शिराज़, इस्फहान और मिसाइल ठिकानों वाले करमनशाह में भी भारी विस्फोटों की सूचना मिली है। शिराज के जीबाशहर इलाके में हुए एक बड़े हमले में 20 लोगों की जान चली गई और 30 अन्य घायल हो गए।

गठबंधन सेनाओं ने ईरान के शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए युद्ध के एक नए चरण की शुरुआत की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर के अनुसार, बी–2 स्टील्थ बॉम्बर्स ने ईरान के भीतर गहराई में स्थित बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर्स को नष्ट करने के लिए दर्जनों 2,000 पाउंड के 'पेनिट्रेटर' बम गिराए हैं। अमेरिका ने ईरान की 'स्पेस कमांड' के समकक्ष ठिकानों पर भी सटीक हमला किया है ताकि उनकी क्षमता को कमजोर किया जा सके। इसके समानांतर, इजराइल की वायु सेना ने 6 ईरानी मिसाइल लॉन्चर्स और तीन उन्नत रक्षा प्रणालियों को नष्ट करने का दावा किया है। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने संकेत दिया है कि बमबारी में भारी वृद्धि होने वाली है,। ईरान में मानवीय संकट के आंकड़े चिंताजनक हैं।

अमेरिका ने भारत को दिया रूस से 30 दिन तक तेल खरीदने की अनुमति

वाशिंगटन /नई दिल्ली (आभा)। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की सप्लाई बनाए रखने के लिए अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने भारतीय रिफाइनरियों को रूस से तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट दी है।

फरवरी 2026 को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि भारत ने रूसी तेल खफ्रीद बंद करने का वादा किया है इसलिए उसके साथ ट्रेड डील की जा रही है और उस पर लगा 50 फीसदी टैरिफ घटा कर 18 फीसदी कर दिया गया है। अमेरिका के इस निर्णय को लेकर विपक्ष मोदी सरकार पर निशाना साध रहा है कि क्या अब सारे निर्णय अमेरिका ही लेगा।

छात्रा की हत्या का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

`–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 12वीं की छात्रा की हत्या के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद कलवारी के माझा खुर्द से गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यह घटना 3 मार्च की रात लालगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। आरोपी मनदीप ने इंटरमीडिएट की छात्रा को गोली मार दी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी।

पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी मनदीप क्षेत्र में मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरा देखकर आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

घायल आरोपी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा और कारतूस भी बरामद कर लिया है।

यूपीएससी टापर बने अनुज

नई दिल्ली (आभा)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस बार कुल 958 अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त की है। खास बात यह रही कि राजस्थान के लिए यह परिणाम गर्व का क्षण लेकर आया है। कोटा के पास स्थित छोटे से कस्बे रावतभाटा के 26 वर्षीय अनुज अग्निहोत्री ने

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में पहला स्थान हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां को दिया है।

ट्रेन में बिना टिकट यात्रा पर होगी 6 महीने तक की जेल

लखनऊ (आभा)। भारत में हर दिन लाखों लोग ट्रेन से यात्रा करते हैं। रेलवे आम लोगों के लिए सबसे बड़ा ट्रांसपोर्ट नेटवर्क माना जाता है। लेकिन कई बार कुछ यात्री ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करने की कोशिश करते हैं, जो न केवल गलत है बल्कि कानूनन अपराध भी है। हाल ही में रेलवे ने यात्रियों को जागरूक करने के लिए एक अहम संदेश सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जारी किया है। रेलवे ने साफ कहा है कि बिना वैध टिकट या पास के ट्रेन में यात्रा करना कानून के खिलाफ है। रेलवे एक्ट की धारा 137 के तहत ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो सकती है। इसमें जुर्माना लगने के साथ–साथ जेल की सजा भी हो सकती है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार कई लोग बिना टिकट यात्रा करके सिस्टम का गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं, जिससे बाकी यात्रियों को भी परेशानी होती है। इसलिए रेलवे लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है ताकि लोग नियमों का पालन करें और कानूनी तरीके से यात्रा करें। रेलवे का साफ संदेश है कि यात्रा से पहले टिकट जरूर लें और उसे अपने पास रखें।

नेपाल में बालेन शाह की पार्टी आरएसपी दो तिहाई बहुमत की ओर

काठमाण्डू (आभा)। नेपाल में गुरुवार को हुए राष्ट्रीय चुनाव के बाद वोटों की गिनती हो रही है। पिछले साल हिंसक जेन जेड विरोध प्रदर्शनों के बाद यह देश में पहला आम चुनाव है। प्रदर्शनों के चलते केपी शर्मा ओली की गठबंधन सरकार गिर गई थी। गुरुवार को हुए चुनावों में लगभग 60 प्रतिशत वोटिंग हुई है। चुनाव में केपी शर्मी ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट–लेनिनिस्ट) (CPN-UML), शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस और पुष्प दहल प्रजंड की CPN (माओइस्ट सेंटर) के बीच मुकाबला है। काठमांडू के मेयर रह चुके पूर्व रैपर बालेंद्र शाह (बालेन) की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी भी मैदान हैं। युवाओं में बेहद लोकप्रिय बालेन नेपाल के पुराने दिग्गजों को कड़ी चुनौती दे रहे हैं। 49 साल के गगन थापा भी प्रधानमंत्री बनने की रेस में हैं। वह नेपाली कांग्रेस में टूट के बाद देश की सबसे पुरानी पार्टी के नए प्रमुख हैं।

नेपाली कांग्रेस कैंडिडेट योगेश गौचन ठाकली ने मुस्तांग में पार्लियामेंट्री इलेक्शन जीत लिया है। गौचन को 3,307 वोट मिले। उन्होंने अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी, ब्ब्ज–न्डस के इंद्रधर बिस्टा को हराया, जिन्हें 1,806 वोट मिले थे। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के पूर्व मेंबर, गौचन

कांग्रेस लीडर और पूर्व मिनिस्टर रोमी गौचन के बेटे हैं।

नेपाल में जेन जी के नेता बालेन शाह की पार्टी आरएसपी अब 105 सीटों पर आगे चल रही है। बालेन शाह खुद केपी ओली से 5100 वोटों से आगे चल रहे हैं। वहीं केपी ओली की पार्टी सीपीएन यूएमएल 11 सीटों पर ही बढ़त बनाई है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी 11 और नेपाली कांग्रेस 9 सीटों पर आगे चल रही है। पूर्व पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड 5700 वोटों से आगे चल रहे हैं।

नेपाल में काठमांडू के पूर्व मेयर बालेन शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्रता पार्टी स्पष्ट बहुमत हासिल करने की ओर बढ़ चुकी है। जेन जी का समर्थन हासिल करने वाली आरएसपी 101 सीटों पर आगे चल रही है। नेपाली विश्लेषकों का कहना है कि आरएसपी ने जेन जी वोटरों की मदद से नेपाल की दशकों पुराने दलों के आधिपत्य को खत्म कर दिया है। नेपाली कांग्रेस 12 सीटों और चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की पार्टी को सीपीएन यूएमएल मात्र 9 सीटों पर बढ़त बना पाई है। वहीं केपी ओली बालेन शाह से 5100 वोटों से पीछे चल रहे हैं। यह उनके लिए दोहरा झटका है। वहीं पूर्व पीएम प्रचंड 4 हजार वोटों से आगे चल रहे हैं।

नेपाल चुनाव परिणाम में बालेन शाह की पार्टी आरएसपी अब 95 सीटों पर आगे हो गई है। आरएसपी ने 1 सीट पर जीत हासिल की है। वहीं नेपाली कांग्रेस 11 और केपी ओली की पार्टी सीपीएन यूएमएल 10 सीटों पर आगे है। नेपाली कम्यूनिस्ट पार्टी भी 10 सीटों पर आगे हो गई है।

जनगणना में जाति का कालम बढाने, यूजीसी, टेट के सवालों को लेकर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष राम अवतार पासवान और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओ.बी.सी. मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनील यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को 3 सूत्रीय ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में जाति आधारित जनगणना और ओबीसी की जाति आधारित जनगणना के मुद्दे पर ओबीसी के साथ की जा रही धोखाधड़ी, एससी, एसटी, ओबीसी के समर्थन में सख्त यूजीसी बिल लागू करने, 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) से मुक्त करने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन सौंपने के बाद बामसेफ के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डा. आर.के. आनन्द, भारत मुक्ति मोर्चा पूर्वान्चल जोन प्रभारी आर.के. आरतियन, बहुजन मुक्ति पार्टी मण्डल अध्यक्ष हृदय गौतम, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चन्द्रिका प्रसाद कन्नौजिया, भारत मुक्ति मोर्चा महिला विंग जिलाध्यक्ष सरिता भारती ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा कैबिनेट में ओबीसी की जाति आधारित जनगणना का फैसला करने के बावजूद भी जनगणना नोटिफिकेशन में ओबीसी की जातियों का कॉलम नहीं दिया गया है। घोषित करने के बाद भी ओबीसी के जाति के कॉलम को ना दिया जाना ओबीसी के साथ धोखेबाजी है। इसलिए इस साल से होने वाली राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी का एवं जाति का कॉलम बढ़ाया जाए। कहा कि पहले कमजोर यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन बनाना और फिर सुप्रीम कोर्ट में कमजोर पैरवी करके उस पर भी रोक लगवाना एससी–एसटी ओबीसी के साथ धोखेबाजी है। एससी– एसटी ओबीसी के समर्थन में सख्त यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन बनाकर लागू किया जाए। 2011 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) से मुक्त किया जाए। कहा कि मांगो पर शीघ्र एव सकारात्मक निर्णय लिया जाए। यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है, तो भारत मुक्ति मोर्चा एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के द्वारा संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से इस राष्ट्रव्यापी चरणबद्ध जनआंदोलन को और अधिक उग्र एवं व्यापक किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से राम सुमेर यादव, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ठाकुर प्रेम नन्दवंशी, सोनी, सुग्रीव चौधरी, चन्द्रावती देवी, अमरजीत आर्य, दीपक आर्य, हरिहर यादव, सीताराम भारती, भन्ते प्रज्ञानन्द, सुनील कन्नौजिया, भगवानदीन यादव आदि शामिल रहे।

अमेरिका, इजराइल, ईरान युद्ध से यूपी के कारोबार पर बुरा असर, उद्यमी परेशान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कानपुर, नोएडा और आगरा के औद्योगिक इलाकों में फैक्ट्रियों की मशीनें चल तो रही हैं, लेकिन निर्यातकों के चेहरे पर अनिश्चितता साफ दिख रही है। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव ने उत्तर प्रदेश के निर्यात कारोबार पर सीधा दबाव डाला है। ईरान और अमेरिका के बीच जारी जंग का असर अब यूरोपियन कारोबार तक पहुंच चुका है। खाड़ी मार्ग के रास्ते यूरोप के बाजारों तक जाने वाली करोड़ों की खेप बीच रास्ते में अटकी हैं। इस वजह से कानपुर, आगरा, मुरादाबाद, वाराणसी, नोएडा, गाजियाबाद समेत समूचे प्रदेश के लगभग तीन हजार करोड़ का कारोबार दांव पर है।

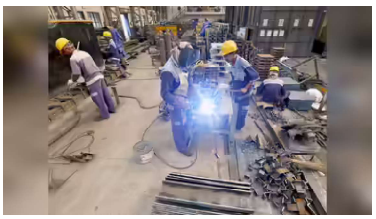

दुबई, यूएई, ओमान और कतर के रास्ते जर्मनी, फ्रांस, इटली और यूके समेत दो दर्जन यूरोपीय देशों को यूपी से लेदर, गारमेंट, इलेक्ट्रानिक, इंजीनियरिंग, हैंडीक्राफ्ट, केमिकल समेत कई उत्पादों की सप्लाई पर असर पड़ा है। कई कंटेनर ट्रांजिट पोर्ट पर रुके हुए हैं। शिपिंग लाइन ने जोखिम प्रीमियम बढ़ा दिया है, जिससे ढुलाई दरों में अचानक उछाल आया है।

कानपुर की लेदर निर्यातकों का कहना है कि जंग की वजह से खाड़ी देशों के रास्ते यूरोपियन देशों तक माल समय पर पहुंचाने में कठिनाई आ रही है। ऑर्डर समय से न पहुंचे तो यूरोपीय खरीदार पेनाल्टी लगाते हैं। इस बार देरी हमारी नहीं, हालात की वजह से है, फिर भी नुकसान हमें ही उठाना पड़ेगा। प्लास्टिक निर्यातकों के अनुसार, छोटे और मझोले निर्यातकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती कार्यशील पूंजी की है। यह स्थिति लंबी खिंची तो उत्पादन में कटौती करनी पड़ सकती है, जिससे रोजगार पर भी असर पड़ेगा।

इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन (आईआईए) के पूर्व अध्यक्ष दिनेश बारसिया, काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स (सीएलई) के रीजनल चेयरमैन असद इराकी ने इसे गंभीर स्थिति बताया है। यूरोप के साथ मजबूत बाजार होने के बावजूद लॉजिस्टिक अनिश्चितता पूरी सप्लाई चेन को झकझोर रही है। खाड़ी देशों के रास्ते यूरोपियन देशों के बाजार में माल भेजना मुश्किल होता जा रहा है। जंग ज्यादा दिन तक चली तो जर्मनी, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, इटली और स्पेन, स्वीडन जैसे मजबूत बाजारों में पैठ कमजोर पड़ सकती है।कारोबार के लिए हालात का सामान्य होना अति आवश्यक है।

निर्यात महासंघ के सहायक निदेशक एके श्रीवास्तव के अनुसार, जंग की वजह से कारोबारी गतिविधियां बिगड़ रही हैं। कानपुर समेत प्रदेश भसर के अलग–अलग सेक्टरों के लिए काफी झटका लग रहा है। यूरोपियन देशों में जाने वाले लगभग तीन हजार करोड़ के उत्पाद फंसे हैं। जल्द वैकल्पिक शिपिंग रूट और बीमा राहत नहीं मिली तो प्रदेश का निर्यात लक्ष्य प्रभावित हो सकता है।

ग्राम प्रहरी चौकीदार संघ ने सौंपा 5 सूत्रीय ज्ञापनः मानदेय वृद्धि की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ग्राम प्रहरी चौकीदार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार गौतम के नेतृत्व में पदाधिकारियों, चौकीदारों ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री को सम्बोधित पांच सूत्री ज्ञापन विधायक राजेन्द्र चौधरी और डीएम के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि प्रदेश के ग्राम प्रहरी चौकीदारों को नियमित कर वेतन वृद्धि करते हुए राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए।

प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार गौतम ने ज्ञापन देने के बाद बताया कि पिछले कई वर्षों से चौकीदार अपनी मांगों को लेकर आंदोलित हैं। चुनाव के समय भाजपा नेताओं ने वादा किया था कि सरकार बनने पर ग्राम प्रहरी चौकीदारों को नियमित कर दिया जाएगा, यदि सरकार न बनी तो 10 हजार रुपये का मानदेय दिलाया जाएगा। प्रदेश में दो बार भाजपा की सरकार बनी लेकिन पार्टी के नेता अपना किया हुआ वादा भूल गए। जिलाध्यक्ष जनार्दन प्रसाद ने कहा कि चौकीदारों को समुचित मानदेय देने के साथ ही समस्याओं का निस्तारण कराया जाय।

पांच सूत्री मांगपत्र में मानदेय वृद्धि, राज्य कर्मचारियों का दर्जा दिए जाने, सेवा दिवस को स्पष्ट किये जाने, वर्दी लागू करने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से महिला विंग जिलाध्यक्ष सरोज देवी, संगीमा देवी, चन्द्र प्रकाश गिरी, मोहरत, बाबूलाल, राजेन्द्र प्रसाद, अमरेश चन्द्र गुड्डू, इन्द्रजीत, भरतलाल, राकेश कुमार, जीत बहादुर, शेषराम, विनोद कुमार, रामललित, राम गोविन्द, सुरेन्द्र, सुभाष चन्द्र, अब्दुल गफ्फार, नीरज गोस्वामी, अब्दुल अजीज, कन्हैया लाल, प्रेम कुमार, अमरजीत, रामलखन, आज्ञाराम, वृजलाल, जय प्रकाश, तारेश कुमार, संगीता, चन्द्रिका प्रसाद, तुलसीराम, हरिशंकर, अनूप कुमार, सुखलाल, मंजू देवी, सविता, मीना, जे.पी. मिश्र, सूर्य प्रकाश मिश्र आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 मार्च 2026 शनिवार

सम्पादकीय

युद्ध का बढ़ता दायरा

इस बात की आशंका पहले से ही थी कि ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का दायरा दूसरे क्षेत्रों में भी फैलेगा और इससे वैसे देश भी प्रभावित होंगे, जो इस जंग में भागीदार नहीं हैं। दोनों पक्षों के बीच घातक हथियारों के जरिए जारी हमले युद्ध के प्रत्यक्ष स्वरूप हैं, तो इसके समांतर अब ऐसे फैसले भी सामने आने लगे हैं, जो अगर लंबे समय तक टिके, तो इससे दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होगी। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को उनके बिना नया सुप्रीम लीडर नहीं चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए नेता के चयन में अमेरिका की भूमिका जरूरी है और बिना अमेरिका की भागीदारी के ऐसा करना वक्त की बर्बादी होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नया नेता भी पुराने नेतृत्व की नीतियां जारी रखता है तो अमेरिका और ईरान के बीच आने वाले वर्षों में फिर टकराव हो सकता है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ऐसा नेता चाहता है जो ईरान में शांति और स्थिरता ला सके।

गौरतलब है कि अमेरिका और इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी मिसाइलों के जरिए सैन्य हमलों का मोर्चा खोला हुआ है। मगर एक बड़े रणनीतिक फैसले के तहत उसने अपने प्रभाव क्षेत्र में आने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को जिस तरह बंद कर दिया है, अगर जल्द ही उसे खोलने के लिए ठोस प्रयास नहीं हुए, तो कई देशों के सामने ऊर्जा का संकट गहरा सकता है। होर्मुज को एक सबसे महत्त्वपूर्ण समुद्री जलमार्ग माना जाता है, जहां से दुनिया भर में तेल और गैस आपूर्ति का करीब बीस से पच्चीस फीसद हिस्सा गुजरता है।

स्वाभाविक ही इस बात की आशंका अभी से जताई जाने लगी है कि अगर संकट गहराया, तो कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं और इसके बाद हवाई किराए, माल ढुलाई और खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही केंद्रीय बैंकों के सामने मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों में बदलाव करना एक मजबूरी की नीति बन सकती है। यानी होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के बाधित होने का व्यापक और बहुस्तरीय असर पड़ सकता है। फिलहाल ईरान ने इस रास्ते से सिर्फ चीन को आवाजाही की अनुमति दी है और कहा है कि अन्य देशों के जहाजों, खासतौर पर इजराइल और अमेरिका के समर्थक देशों के टैंकरों को रास्ता नहीं दिया जाएगा।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि तेल और ऊर्जा के लिए जिन देशों की होमुर्ज जलडमरूमध्य के रास्ते पर निर्भरता है, वहां ईरान के इस फैसले का क्या प्रभाव पड़ सकता है। निश्चित तौर पर भारत पर भी इसका गंभीर असर पडेगा और अभी से इसका हल खोजने की कोशिश शुरू हो गई है, लेकिन जिस रास्ते से भारत अपने चालीस फीसद तेल की आपूर्ति पूरी करता है, उसमें तुरंत इसका नया विकल्प निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी होगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य को एक संकरे समुद्री रास्ते से ज्यादा आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की 'धड़कती नस' और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इसके बाधित होने पर कई देश इसके असर की जद में आएंगे। भारत के पास फिलहाल छह से आठ हफ्ते का तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और इस बीच अगर होर्मुज का रास्ता खोलने के प्रयास सफल नहीं हुए, तो ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रूस से भी तेल खरीदने की कोशिश हो सकती है।

अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी भी हुई तो भारत के आयात खर्च में बड़ा इजाफा हो सकता है और इसके समांतर घरेलू बाजार में पेट्रोल—डीजल की कीमतों पर गंभीर असर पड़ेगा। यह समझना मुश्किल नहीं है कि तेल या ऊर्जा के लिए होर्मुज के रास्ते पर निर्भर अन्य देश ईरान के फैसले से किस स्तर तक प्रभावित होंगे। ऐसे में समूचे पश्चिम एशिया में फैल चुके युद्ध को रोकने और तनाव को कम करने के उद्देश्य से इसमें शामिल पक्षों के साथ बिना देरी किए बातचीत की गुंजाइश निकालना सबसे जरूरी और प्राथमिक होना चाहिए।

मेघालय के सुदूर गांव में एक आईएएस की अनोखी होली

—अखिल कुमार यादव—

होली रंगों, उल्लास और मेल—मिलाप का त्योहार है। आमतौर पर लोग इस दिन गुलाल लगाकर, मिठाइयां बांटकर और परिवार—मित्रों के साथ समय बिताकर त्योहार मनाते हैं। लेकिन इस बार देश के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय के एक सुदूर गांव में होली कुछ अलग अंदाज में मनाई गई। यहां रंगों का त्योहार केवल गुलाल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सेवा, सहभागिता और संवेदनशीलता के रंगों से भी सजा। 2015 बैच के आईएएस अधिकारी स्वप्निल टेम्बे ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने एक गरीब परिवार के घर को अपने हाथों से पेंट करके होली मनाई। उनकी इस पहल ने न केवल गांव में उत्सव का माहौल बना दिया, बल्कि प्रशासन और जनता के रिश्ते की एक खूबसूरत तस्वीर भी पेश की। मेघालय सरकार के वित्त विभाग में तैनात स्वप्निल टेम्बे होली के अवसर पर अपने परिवार के साथ राज्य के एक दूरदराज इलाके में स्थित म्यरखान गांव पहुंचे। यह इलाका पहाड़ियों और हरियाली से घिरा हुआ है, जहां तक पहुंचने के लिए कई किलोमीटर कच्चे रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। ऐसे इलाकों में सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन प्रशासन के लिए अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन जब अधिकारी स्वयं गांव में पहुंचकर लोगों के बीच समय बिताते हैं तो योजनाओं का प्रभाव कहीं अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। टेम्बे ने इसी भावना के साथ गांव का रुख किया और वहां एक लाभार्थी परिवार के घर की पेंटिंग में हाथ बंटाकर होली का त्योहार मनाया। यह घर हाल ही में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत बनाया गया था। इस योजना का उद्देश्य देश के गरीब और बेघर परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराना है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना के तहत केंद्र और राज्य सरकार मिलकर आर्थिक सहायता प्रदान करती हैं, ताकि जरूरतमंद परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक आवास प्राप्त कर सकें। मेघालय जैसे पहाड़ी और सुदूर इलाकों में इस योजना का क्रियान्वयन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यहां रहने वाले कई परिवार लंबे समय तक कच्चे और असुरक्षित घरों में जीवन बिताते रहे हैं।

स्वप्निल टेम्बे जब म्यरखान गांव पहुंचे तो उन्होंने केवल औपचारिक निरीक्षण करने के बजाय एक अलग रास्ता चुना। उन्होंने लाभार्थी परिवार के घर की दीवारों को रंगने में खुद हिस्सा लिया। हाथ में ब्रश लेकर वे घर की दीवारों पर रंग चढ़ाते नजर आए। उनके साथ परिवार के सदस्य और गांव के लोग भी इस काम में शामिल हो गए। देखते ही देखते यह काम एक सामूहिक उत्सव में बदल गया। गांव के बच्चों और महिलाओं ने भी इस पहल में उत्साह के साथ भाग लिया और पूरा माहौल रंगों और खुशियों से भर गया। इस दौरान टेम्बे ने अपने अनुभव को सोशल मीडिया पर भी साझा किया। उन्होंने इस खास पल का एक छोटा सा वीडियो लोकप्रिय सोशल नेटवर्किंग ऐप 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया, जिसमें वे अपने परिवार और ग्रामीणों के साथ घर की पेंटिंग करते दिखाई देते हैं। वीडियो में साफ दिखता है कि यह केवल प्रतीकात्मक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सच्ची और सहज भागीदारी थी। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हुआ और लोगों ने इस पहल की खूब सराहना की। कई यूजर्स ने लिखा कि यह ष्सेवा की होलीष है, जिसमें रंगों के साथ—साथ संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी भी दिखाई देती है। गांव के लोगों के लिए भी यह अनुभव बेहद खास रहा। जिस परिवार को यह घर मिला था, उसके लिए यह क्षण किसी उत्सव से कम नहीं था। ग्रामीणों का कहना था कि अधिकारी का इस तरह गांव आकर उनके साथ समय बिताना और उनके घर को रंगने में मदद करना उनके लिए सम्मान और खुशी की बात है। इससे उन्हें यह एहसास हुआ कि सरकारी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रशासन वास्तव में उनकी जिंदगी में बदलाव लाने के लिए काम कर रहा है। घर की दीवारों पर चढ़ा रंग केवल सजावट नहीं था, बल्कि उसमें भरोसे और आत्मीयता की चमक भी दिखाई दे रही थी। दरअसल, प्रशासनिक सेवा का मूल उद्देश्य केवल नीतियां बनाना या योजनाओं का क्रियान्वयन करना नहीं है, बल्कि समाज के साथ संवाद और भरोसे का रिश्ता कायम करना भी है। स्वप्निल टेम्बे की यह पहल इसी विचार को मजबूत करती है। जब कोई अधिकारी गांव के लोगों के साथ बैठकर, उनके साथ काम करके और उनके जीवन के छोटे—छोटे क्षणों में शामिल होकर काम करता है, तो प्रशासन का चेहरा कहीं अधिक मानवीय और विश्वसनीय बन जाता है।

स्वप्निल टेम्बे पहले भी अपने संवेदनशील और रचनात्मक कार्यों के लिए चर्चा में रहे हैं। बताया जाता है कि उन्होंने पहले भी शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कई प्रयासों में व्यक्तिगत रुचि दिखाई है। एक बार उन्होंने एक सरकारी स्कूल के नवीनीकरण के लिए अपनी सैलरी का हिस्सा दान किया था, ताकि बच्चों को बेहतर वातावरण में पढ़ाई का अवसर मिल सके। ऐसे उदाहरण यह दिखाते हैं कि उनके लिए प्रशासनिक जिम्मेदारी केवल पद या अधिकार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति एक नैतिक दायित्व भी है।

मेघालय जैसे राज्य में, जहां भौगोलिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं और कई गांव अब भी मुख्यधारा से दूर हैं, ऐसे प्रयासों का महत्व और बढ़ जाता है। जब प्रशासनिक अधिकारी खुद इन इलाकों में पहुंचते हैं और लोगों के साथ मिलकर काम करते हैं, तो इससे न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ती है, बल्कि जनता का विश्वास भी मजबूत होता है। यही कारण है कि स्वप्निल टेम्बे की इस पहल को केवल एक त्योहार मनाने का अलग तरीका नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे प्रशासनिक संवेदनशीलता और सामाजिक सहभागिता के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। होली का त्योहार मूल रूप से बुराई पर अच्छाई की जीत और समाज में प्रेम व भाईचारे का संदेश देता है। इस बार मेघालय के म्यरखान गांव में मनाई गई होली ने इस संदेश को एक नया अर्थ दे दिया। यहां रंगों के साथ सेवा का रंग भी जुड़ गया। एक आईएएस अधिकारी का गांव के लोगों के साथ मिलकर घर रंगना इस बात का प्रतीक बन गया कि अगर प्रशासन और समाज के बीच दूरी कम हो जाए तो विकास की राह कहीं अधिक आसान हो सकती है।

स्वप्निल टेम्बे की इस पहल ने यह भी दिखाया कि त्योहार केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं होते, बल्कि वे समाज से जुड़ने और खुशियां बांटने का भी माध्यम बन सकते हैं। म्यरखान गांव में रंगा गया वह घर अब सिर्फ एक मकान नहीं रहा, बल्कि वह एक कहानी बन गया हैदृ एक ऐसी कहानी जिसमें सरकारी योजना, प्रशासनिक संवेदनशीलता और ग्रामीण समाज की खुशियां एक साथ रंगों में घुलती नजर आती हैं। यही वजह है कि इस छोटी सी पहल ने दूर—दराज के उस गांव से निकलकर पूरे देश में चर्चा बटोर ली है और यह संदेश दिया है कि जब सेवा का भाव रंगों से मिल जाता है, तो त्योहार सचमुच खास बन जाता है।

भारत के दरवाजे तक पहुचा युद्ध

—नीरज कुमार दूबे—

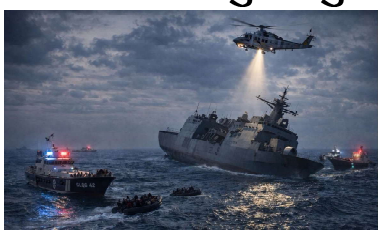

हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर नई चिंता उभर कर सामने आई है क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने श्रीलंका के निकट अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। इस घटना ने न केवल श्रीलंका बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और विशेष रूप से भारत की सामरिक स्थिति पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना इस बात का संकेत है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष अब फारस की खाड़ी से निकल कर हिंद महासागर तक पहुंच गया है, जिसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी शुरू हो गयी है जहां श्रीलंका के सांसद इस मुद्दे पर अपनी सरकार से सवाल पूछ रहे हैं वहीं भारत में लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल पूछा है।

हम आपको बता दें कि ईरान का युद्धपोत डेना बुधवार को उस समय डूब गया जब अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागा गया जल गोला उससे टकरा गया। यह घटना श्रीलंका के खोज और बचाव क्षेत्र के भीतर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई। श्रीलंका की नौसेना को युद्धपोत से संकट संदेश प्राप्त हुआ जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने अब तक 87 शव बरामद किए हैं और 32 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। कई अन्य नाविक अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और उनकी खोज के लिए अभियान जारी है। हम आपको बता दें कि यह घटना श्रीलंका के प्रमुख बंदरगाह नगर गाले से लगभग चालीस किलोमीटर दक्षिण में हुई। यह स्थान फारस की खाड़ी से काफी दूर है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष चल रहा है। इसलिए इस घटना ने यह संकेत दिया है कि समुद्री संघर्ष का दायरा तेजी से फैल रहा है।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के माध्यम से कहा है कि दुनिया इस समय अत्यंत अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुकी है और आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ईरान का युद्धपोत हिंद महासागर में डूबने की घटना यह दर्शाती है कि यह संघर्ष अब भारत के आसपास के समुद्री क्षेत्र तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में देश को मजबूत और संतुलित नेतृत्व की आवश्यकता होती है, लेकिन सरकार की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि भारत की सामरिक स्वायत्तता को बनाए रखना इस समय अत्यंत आवश्यक है।

दूसरी ओर, श्रीलंका के सांसद नामल राजपक्षे ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि यह केवल श्रीलंका की ही नहीं बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनका कहना है कि युद्ध भले ही हजारों किलोमीटर दूर चल रहा हो, लेकिन उसके प्रभाव अब हिंद महासागर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के तट से लगभग चालीस किलोमीटर दूर इस प्रकार की सैन्य गतिविधि यह दर्शाती है कि वैश्विक शक्तियों का संघर्ष अब इस समुद्री क्षेत्र तक फैल रहा है।

श्रीलंकाई सांसद नामल राजपक्षे ने श्रीलंका की सरकार से यह भी सवाल किया है कि क्या उसे इस सैन्य कार्रवाई की पहले से जानकारी थी? उनका कहना है कि सरकार को देश की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इस हमले से पहले अवगत थी या नहीं? उन्होंने कहा कि यदि सरकार को पहले से जानकारी थी तो उसे यह बताना चाहिए कि ऐसी गतिविधि को लेकर कौन से कदम उठाए गए?

उन्होंने यह भी कहा कि यदि श्रीलंका को इस प्रकार की सैन्य गतिविधि की सूचना नहीं दी गई थी तो यह और भी गंभीर विषय है, क्योंकि इससे छोटे देशों की समुद्री संप्रभुता और सुरक्षा पर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी बड़े देश की सैन्य कार्रवाई श्रीलंका के आसपास के जल क्षेत्र में होती है तो इस पर खुली चर्चा और पारदर्शिता आवश्यक है। राजपक्षे ने दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापक संवाद की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों को मिलकर हिंद महासागर की सुरक्षा पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रत्येक देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि बड़े देशों के बीच संघर्ष छोटे देशों के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में फैलता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

दूसरी ओर अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में मौजूद एक ईरानी युद्धपोत को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ईरान की नौसैनिक शक्ति को सीमित करना उसकी रणनीति का महत्वपूर्ण भाग है।

देखा जाये तो हिंद महासागर में इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई के कई महत्वपूर्ण सामरिक निहितार्थ हैं क्योंकि यह क्षेत्र विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बीच होने वाला विशाल व्यापार इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां सैन्य तनाव बढ़ता है तो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक हितों का मुख्य क्षेत्र है। यदि बाहरी शक्तियों का संघर्ष इस क्षेत्र में बढ़ता है तो भारत को अपनी नौसैनिक उपस्थिति और सामरिक सतर्कता बढ़ानी पड़ सकती है।इसके अलावा, छोटे तटीय देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। ये देश बड़ी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यदि सैन्य टकराव उनके आसपास होने लगे तो उनकी सुरक्षा और कूटनीतिक स्थिति कठिन हो सकती है। साथ ही इस घटना से यह भी संकेत मिलता है कि भविष्य के युद्ध केवल सीमित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि समुद्र के विशाल क्षेत्रों में फैल सकते हैं।

बनी रहे शिक्षक की गरिमा

—कृष्ण कुमार—

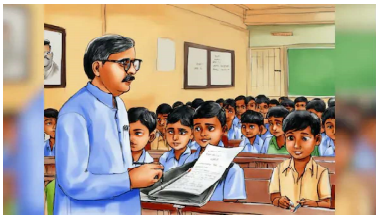

शिक्षण संस्थाओं में अंग्रेजी राज से जारी निरीक्षण संस्कृति नई आर्थिक—शैक्षिक नीतियों की चर्चाओं के बावजूद कायम है। वहीं नीति नियंता मानते रहे कि निरंतर परीक्षाओं से शिक्षा की गुणवत्ता उच्च होगी व अध्यापक सतर्क रहेंगे। जबकि असल में शिक्षक की खुशी और गरिमा ही कक्षा में कड़ी मेहनत की बेहतर गारंटी है। तकनीकी मदद से परीक्षाओं ने अध्यापन कमजोर किया।

वर्ष 1990 के दशक के मध्य में नई आर्थिक नीतियों से जो बड़ी उम्मीदें जगी थीं, उनमें से एक यह थी कि लाइसेंस—इंस्पेक्टर राज खत्म हो जाएगा। शायद काम—धंधे की दुनिया में ऐसा हुआ भी, लेकिन शिक्षा जगत में, 'लाइसेंस' और 'इंस्पेक्शन', दोनों के, तौर—तरीके और मजबूत हुए। स्कूल शिक्षा में, इंस्पेक्टर यानी निरीक्षक शब्द आम था और इस पद के कई स्तर थे।

महान हिंदी साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने 20वीं सदी की शुरुआत में 'सब—डिप्टी इंस्पेक्टर' के तौर पर काम किया। उनका आभार कि उन्होंने ब्रिटिश राज में विद्यालय निरीक्षण का क्या मतलब हुआ करता था, इसकी साफ निशानियां अपनी कहानियों में वर्णित की हैं। ऐसा नहीं कि निरीक्षक वाली भूमिकाएं और इंस्पेक्शन संस्कृति बीते जमाने की हैं रू वे आजादी और नई आर्थिक एवं शिक्षा नीति के बाद भी बची हैं। स्कूल निरीक्षण आज भी ऐसा आयोजन है, जिसमें जहां निरीक्षण करने वाला विभाग अपनी ताकत प्रदर्शित करता है वहीं स्कूल स्टाफ विनम्रता दिखाता है। उनके पास नर्मी दिखाने के अलावा कोई चारा भी नहीं।

निरीक्षण संस्कृति औपनिवेशिक काल के दिनों से नहीं बदली। हेडमास्टर को सुनिश्चित करना होता था कि स्कूल भवन साफ—सुथरा दिखे, गलियारे में गमले सजे हों। बच्चों को होशियार और अध्यापकों को काम में खोए दिखना होता था। अगर कहीं छत में छेद होते, तो उन्हें चिथड़ों से या जो भी हाथ लगे, उससे ढांप दिया जाता था। अगर फर्श पर गड्ढे होते, तो हेडमास्टर उन्हें छिपाने के लिए कालीन का इस्तेमाल करते थे।

गांधीवादी शिक्षाशास्त्री मार्जोरी साइक्स, जो असल में एक ब्रिटिश नागरिक थीं, ने इस लेखक को बताया कि भारत में होने वाला विद्यालय निरीक्षण इंग्लैंड में निरीक्षण से एकदम उल्ट होता था। वहां हेडमास्टर छेदों के बारे में चौकन्ने रहते थे, ताकि सुनिश्चित हो कि वह इंस्पेक्टर की नजरों में आ जाए और वह मरम्मत का काम करवाए। न कोई डर था, न असलियत छिपाने की जरूरत थी।

माना गया था कि उदारवाद की आमद से न केवल व्यापार बल्कि हर क्षेत्र में नौकरशाही कमजोर होने के साथ इंस्पेक्टर राज खत्म हो जाएगा। लेकिन शिक्षा क्षेत्र में निरीक्षक राज उल्टा उच्च शिक्षा तक फैल गया। एक्रेडिटेशन (मानकीकरण) और रैंकिंग नई प्रथा के तौर पर शुरू किए गए, और उनकी वजह से निरीक्षण टीमों द्वारा यूनिवर्सिटी और कॉलेज निरीक्षण अनिवार्य हो गया। जब 'नैक' (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल) एक इंस्पेक्शन टीम भेजती है, तो कॉलेज व यूनिवर्सिटी के अधिकारी कैंपस सजा देते हैं, आगंतुक टीम को प्रभावित करने के लिए शानदार डेटा डिस्प्ले एवं खूबसूरत फ्लेक्स तैयार किए जाते हैं। इसके सदस्य 'अन्य तरीकों से अपनी तसल्ली' करवाए जाने की अपेक्षा रखते हैं —महज साफ—सुथरे शौचालयों और पौधे लगाने भर से नहीं। अगर टीम उच्चतम ग्रेड से कम की रैंकिंग देती है, तो बताए गए कारण अकसर असली कहानी नहीं होते। हर कोई जानता है कि संस्थान मुखिया आंगतुकों को खुश करने में नाकाम रहा।

एक खबर दिखाती है कि विद्यालय निरीक्षण के दौरान और उसके बाद अध्यापकों को किन जोखिमों का सामना करना पड़ता है। पंजाब के शिक्षा मंत्री ने लुधियाना जिले के माछीवाड़ा में एक प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उसके बाद संबंधित अध्यापकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पूछा गया कि निरीक्षण के दौरान उनकी कक्षा के विद्यार्थी पंजाबी में लिखा क्यों नहीं पढ़ पाए और दिए गए गणित के आसान सवाल क्यों नहीं हल कर पाए? हम बीच—बीच में से चुने गए बच्चों के बारे में नहीं जानते। क्या वे पंजाबी भाषी परिवारों से थे, और वे कब से पंजाबी पढ़ना सीख रहे थे? किस किस्म की पठन सामग्री उपयोग की गई? अध्यापकों को किस किस्म के संस्थानों में प्रशिक्षण मिला? क्या बच्चे उस वक्त घबरा गए, जब अनजान लोगों ने उन्हें अचानक खड़े होकर जोर से पढ़ने और गणित के सवाल हल करने के लिए कहा होगा?

ऐसे सवाल मंत्री की निरीक्षण टीम की नजर से ओझल हैं। मुझे जरा संदेह नहीं कि इसके सदस्यों को पंजाब के डाइट यानी डिस्ट्रिक्ट इंस्टिटयूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग की दुर्दशा के बारे में पता नहीं होगा। यह जरूरी ढांचा था जो अध्यापन स्तर को बनाए रखता है। सर्व शिक्षा अभियान के तहत अन्य और कई ढांचे बनाए गए। वे भी अब खस्ताहाल हैं। वास्तव में, अध्यापक नीत शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है, निजी शिक्षा संस्थानों में तो हाजिरी भी जरूरी नहीं। निरीक्षण टीमों को ऐसी बारीकियों में कोई दिलचस्पी नहीं। उन्हें तो बस प्रदर्शन चाहिए— बच्चों का प्रदर्शन जो अध्यापकों की काबिलियत का सबूत दर्शाता हो।

माछीवाड़ा की कहानी में एक विडंबना यह है कि वह प्राथमिक विद्यालय श्स्मार्टश स्कूलों की सूची में शामिल है। इस शीर्षक का मतलब है कि स्कूल इंटर—एक्टिव पेडागॉजी (दोतरफा संवाद से पढ़ाई) के लिए जरूरी डिजिटल उपकरणों से लैस है। पिछले एक दशक में डिजिटल उपकरणों पर आधिकारिक विश्वास तेजी से बढ़ा है। जिसे कोविड—19 महामारी ने और बढ़ाया। जो कोई बात यह साबित करे कि यह भरोसा सही नहीं, उसका विरोध किया जाता है— और ऐसा इसलिए नहीं कि स्मार्ट स्कूल परियोजना में काफी निवेश किया गया है।डिजिटल उपकरण कक्षा को आधुनिक स्वरूप प्रदान करते हैं, जिससे अहसास होता है कि तरक्की बहुत हो रही है। यह अहसास सरकारी स्कूलों में एक प्रतीकात्मक उद्देश्य पूरा करने के लिए है।

लेखक एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक हैं।

शिक्षक सुसाइड केस में बीएसए और बाबू पर 10–10 हजार का इनाम घोषित

संवाददाता–देवरिया। शिक्षक कृष्णमोहन के खुदकुशी प्रकरण में बीएसए शालिनी श्रीवास्तव की मुश्किलें और भी बढ़ सकतीं हैं। अब फरार चल रहीं शालिनी श्रीवास्तव और एक बाबू के खिलाफ 10–10 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया गया है। मामले में प्रतिदिन नए– नए खुलासे होने से बीएसए कार्यालय के भ्रष्टाचार की गहराई सामने आ रही है। इस मामले में अपने करतूतों को छिपाने के लिए बुने गए जाल में बीएसए फसतीं चलीं जा रहीं हैं। उनके आवास से बरामद हुए डीवीआर ने उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। वहीं अब वायरल हुआ आडियो कार्यालय के भ्रष्टाचार की पोल खोल रहा है। आडियो को सुनने से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि कार्यालय किस तरह से भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा था और यहां के अधिकारी लोगों को किस तरह से प्रताड़ित करते थे। कुशीनगर जिले के कुबेरस्थाना थाना क्षेत्र के हरैया बुजुर्ग के रहने वाले कृष्ण मोहन सिंह जिले के गौरीबाजार विकास खण्ड स्थित कृषक लघु माध्यमिक विद्यालय, मदरसन में सहायक अध्यापक थे। वह गोरखपुर के गुलरिहा क्षेत्र के शिवपुर सहबाजगंज में अपने भाई के यहां रहते थे। 20 फरवरी की रात उन्होने फंदा लगाकर जान दे दी थी। आत्महत्या से पूर्व उन्होने बीएसए शालिनी श्रीवास्तव, लिपिक संजीव सिंह समेत अन्य लोगों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए सुसाइट नोट व वीडियो भी जारी किए थे। जिसके जांच के बाद दोषी मिलीं बीएसए शालिनी श्रीवास्तव को 27 फरवरी को निलंबित कर दिया गया था, जबकि लिपिक संजीव सिंह पहले ही निलंबित हो चुका है। पुलिस की जांच के आंच से बचने के लिए बीएसए शालिनी श्रीवास्तव द्वारा बुने गए जाल में अब वह फंसती हुई नजर आ रही हैं।

बीएसए द्वारा कार्यालय के एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से निकलवाया गया डीवीआर पुलिस ने उनके सरकारी आवास से बरामद किया है। इससे यह प्रतित हो रहा है कि बीएसए ने अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए डीवीआर को गायब कराया था, हालांकि कयास लगाया जा रहा है कि आवास छोड़ने से पूर्व वे डीवीआर को अपने साथ ले जाना भूल गईं, जो अब उनके लिए अब मुसीबत बन सकती है। इधर लिपिक व शिक्षक के बात करने का आडियो वायरल होने के बाद बीएसए कार्यालय का भ्रष्टाचार सामने आ रहा है। आडियो सुनने से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस प्रकार से बीएसए कार्यालय का 'सिस्टम' कार्य कर रहा था, और लोग उस 'सिस्टम' से जूझ रहे थे। बीएसए कार्यालय के जिस पटल पर लिपिक संजीव सिंह कार्यरत था, उसके निलंबन के बाद यह पटल खाली है। पटल पर अभी तक किसी की तैनाती नहीं हो सकी है। डायट प्राचार्य के बीएसए पद पर अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने के बाद से रिक्त पटल पर तैनाती को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। सबकी नजर इस पटल पर जमीं हुईं हैं, हालांकि विवाद के कारण इस पटल के लिए कोई नाम नहीं ले रहा है। सूत्रों की मानें तो विवाद के कारण इस पटल पर आने के लिए कोई सिर नहीं उठा रहा है, अगर यह पटल किसी बाबू को मिल भी जाता है तो वे फूंक– फूंक कर ही कार्य करेगा।

पत्नी की हत्या के 24 घंटे के अंदर पति ने की खुदकुशी

संवाददाता–महराजगंज। बृजमनगंज में पत्नी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या करने वाले आरोपी पति ने 24 घंटे के अंदर खुदकुशी कर ली। पति–पत्नी के बीच विवाद को लेकर हुए इस लोमहर्षक घटना ने क्षेत्र में सनसनी मचा दी है। पत्नी के हत्यारोपी पति मुर्तुजा का शव शुक्रवार को दोपहर बाद उसके घर में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर कब्जे में ले लिया। पुलिस जांच में जुट गई है। बृजमनगंज के ग्राम सौरहा खास में पति–पत्नी के बीच चल रहे पारिवारिक विवाद को लेकर एक दिन पूर्व गुरुवार की शाम बड़ी वारदात हो गई थी। डेढ़ साल पहले दोनों की शादी हुई थी और मुर्तुजा की पत्नी नजमा विवाद के बाद अपने मायके बरगाहपुर में रहती थी। गुरुवार को वह अपना सामान लेने पति के घर सौरहा खास पहुंची थी। घर से बाहर निकली कि आरोपी पति ने उसे बात करने के बहाने अंदर बुलाया और इसी दौरान कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। इस हत्या करने के मामले ने शुक्रवार को तब नया मोड़ ले लिया, जबकि शुक्रवार की दोपहर बाद आरोपी पति मुर्तुजा का शव घर में पंखे से लटका मिला। घटना का पता तब चला जब आरोपी मुर्तुजा के ससुराल के कुछ लोग बृजमनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा सौरहा में शुक्रवार की दोपहर पंहुचे। आरोपी के ससुराल के कुछ लोग जब वहां दरवाजे पर पहुंचे तो दरवाजा बंद था। एक लड़का दरवाजा खोल कर अंदर गया तो देखा कि मुर्तुजा का शव फंदे से लटक रहा है। मौजूद लोगों ने शोर मचाना शुरू किया। मौके पर ग्रामीण इकट्ठा हो गए। इसके बाद बृजमनगंज पुलिस को सूचना दी गई। थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि घटना स्थल पर पहुंच कर शव को उतरवाया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए महराजगंज भेज दिया गया है। घटना के विभिन्न पहलुओं की जांच कराई जा रही है। घटना के बाद सीओ फरेंदा अनिरुद्ध कुमार ने घटना स्थल का मुआयना कर पुलिस को जरूरी निर्देश दिया। अपनी पत्नी की हत्या के बाद से आरोपी मुर्तुजा मौके से फरार हो गया था। वहीं, मृतका नजमा की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी मुर्तुजा के विरुद्ध केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी। आरोपी पुलिस के हत्थे तो नहीं चढ़ा, शुक्रवार दोपहर बाद उसके ही घर में फंदे से लटकती उसकी लाश मिल गई। मुर्तुजा के परिवार में उसके पिता मुस्तकीम, माता हकीकुन निशा तथा एक भाई मुस्तफा हैं। मुस्तफा परिवार सहित बाहर रहता है। उसकी छोटी बहन जरीना अपनी बड़ी बहन हसीना के घर रहती है। गुरुवार की सुबह ही मुर्तुजा की मां बड़ी बेटी हसीना के घर त्योहारी लेकर गई थी। पिता भी घटना के समय घर से बाहर खेत देखने गए थे।

प्रेशर एडजेस्ट करते समय हवा की टंकी ब्लास्ट, युवक के उड़ गए चीथड़े

संवाददाता–कुशीनगर। पडरौना कोतवाली क्षेत्र के ठोरी मोड़ स्थित एक धुलाई सेंटर पर प्रेशर एडजेस्ट करने के दौरान हवा की टंकी ब्लास्ट कर गई। चपेट में आने से 18 वर्षीय युवक विवेक उर्फ विकास की मौत हो गई।शव के चीथड़े उड़ गए थे। इसी वक्त पडरौना जा रही कोतवाली पुलिस ब्लास्ट की आवाज सुन कर मौके पर पहुँच गई स शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है सकोतवाली थाना क्षेत्र के बेतिया निवासी विनोद चौधरी ने 20दिन पूर्व ठोरी मोड़ पर एक धुलाई सेंटर खोला। यहां गाड़ियों में हवा भरने की टंकी भी लगाई थी। बड़े लड़के के जिम्मे कर बाहर कमाने चले गए स विनोद के दो लड़के हैं स बड़ा लड़का जयराम धुलाई सेंटर चलाता है स छोटा लड़का विवेक उर्फ विकास पडरौना मैकेनिकल का कार्य करता था स शुक्रवार को अपने काम पर न जाकर गाड़ी धुलाई की दुकान पर था स दोपहर 12रू50 बजे किसी गाड़ी की धुलाई कर रहा था स इसी दौरान हवा की टंकी का प्रेशर एडजेस्ट करने गया कि टंकी ब्लास्ट कर गई स इसी के साथ विवेक उर्फ विकास चौधरी के शरीर के चीथड़े उड़ गए। ब्लास्ट की आवाज सुन इसी समय एक घटना से वापस पडरौना जा रहे कोतवाल हर्ष वर्धन सिंह व महिला थाने की पुलिस तत्काल मौके पर पहुँच गई। शव को कब्जे में ले लिया स कुछ ही देर में लोगों की भीड़ जुट गई स जटहा पुलिस भी मौके पर पहुँच गई थी स पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

सांसद के काफिले की गाड़ियां आपस में टकराईं, पांच घायल

संवाददाता–कुशीनगर। शुक्रवार को सांसद विजय कुमार दुबे अपने गोरखपुर आवास से लोकसभा क्षेत्र में हाटा आ रहे थे उनके काफिले में पीछे पीछे चल रही छह लग्जरी गाड़ियों में से दो कारें हाटा कोतवाली क्षेत्र के ढाढा ओवर ब्रिज पर आपस में टकरा गयी। अचानक काफिले में चल रही एक गाड़ी के ब्रेक लगाने से पीछे आ रही पांच गाड़ियां भी आपस में भिड़ गईं। हालांकि इन गाड़ियों में हल्का नुकसान नहीं हुआ मगर जोर से टकरायी दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। इनमें सवार पांच लोगों को हल्की फुल्की चोट लगी है। इनमें से एक को हाटा सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

अन्य को घर भेज दिया गया।अचानक ब्रेक लगने के कारण पीछे चल रही गाड़ियों को संभलने का मौका नहीं मिला और देखते ही देखते करीब पांच से छह गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई। काफिले में सवार पांच लोगों को हल्की–फुल्की चोटें आई। युवा भाजपा नेता डॉ रविश सिंह, छोटेलाल शास्त्री, अभिमन्यु गौतम, सत्यनारायण गौड़, पूर्व मंडल अध्यक्ष ज्ञान विक्रम सिंह को मामूली चोटें आईं। मौके पर मौजूद लोगों और सहयोगियों ने तुरंत सभी को सुरक्षित बाहर निकाला और सीएचसी पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने छोटेलाल शास्त्री को गोरखपुर मेडिकल कालेज भेज दिया। हादसे के बाद उन्हें घबराहट की शिकायत थी। अन्य सभी को घर भेज दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए और स्थिति को संभालने में सहयोग किया। थोड़ी देर के लिए हाईवे पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया, लेकिन जल्द ही हालात सामान्य हो गए।

घर के पीछे गली में मिली बुजुर्ग महिला की लाश, हत्या की आशंका

संवाददाता–महराजगंज। मिटौली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत दरौली टोला अजमतपुर में घर से गायब एक बुजुर्ग महिला का शव उसके घर के पीछे गली में मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। इस मामले में हत्या की आशंका जताई जा रही है। महिला एक दिन पहले गुरुवार दोपहर से ही लापता थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। ग्राम दरौली टोला अजमतपुर की 60 वर्षीया मुनक्का पत्नी रामदुलारे गुरुवार दोपहर लगभग 1.00 बजे से घर से गायब थी। परिजन उसकी काफी खोजबीन कर रहे थे, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल रहा था। गुरुवार की देर रात तक वह नहीं मिली। शुक्रवार की सुबह गांव का ही एक व्यक्ति उस गली से गुजर रहा था। उसने उक्त महिला का शव देखकर शोर मचाना शुरू किया। शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। मौके पर परिजन भी पहुंच गए। परिजनों ने तुरंत इसकी सूचना मिटौली थाने पर दी। सूचना पाकर थानाध्यक्ष मदन मोहन मिश्र, उप निरीक्षक अवधेश सिंह अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जांच में जुट गए। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाया। बताया जा रहा है कि महिला के शरीर पर बहुत मामूली चोट के निशान पाए गए हैं। महिला की मृत्यु स्वाभाविक हुई या हत्या कर उसके शव को फेंका गया था? अभी यह रहस्य बना हुआ है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी हुई है। प्रभारी क्षेत्राधिकारी बसंत सिंह ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। मृत महिला के चार पुत्र हैं। सभी शादीशुदा हैं और अपनी रोजी–रोटी में लगे हुए हैं। महिला की मृत्यु का अभी स्पष्ट कारण नहीं बताया जा सकता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु होने की सही वजह की जानकारी हो सकेगी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

डंफर से कुचलकर बालक की मौत शव रखकर तीन घंटे रोड जाम

संवाददाता–कुशीनगर। जटहा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम कंठीछपरा के टोला दोपही में स्थित सीएनजी प्लांट से शुक्रवार सुबह 9रू30 बजे फ्रेस्मेंड गिराकर जा रहे डंफर के चपेट में आने से एक पाँच वर्षीय बालक की तत्काल मौत हो गई स इस घटना से नाराज लोगों ने डंफर को रोक कर शव सिरजन ट्रेडर्स सीएनजी प्लांट पर रख कार्यवाई की माँग करने लगे स सूचना पाकर स्थानीय पुलिस सहित पाँच थानो की पुलिस पहुँच गई स पुलिस ने डंफर को कब्जे में ले थाने भेज दिया स तीन घंटे के काफी मान मनाऊवल के बाद पुलिस ने शख्ती दिखाते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया सबिहार के मलाही पट्टी शंकर साहनी की ससुराल कंठीछपरा के दोपही निवासी कैलाश साहनी के यहाँ है स मृतक के पिता मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता है स दो माह से शंकर की पत्नी निजा देवी अपने दो बच्चों को लेकर मायके रह रही थी स जिसमे बड़ा लड़का दुर्गेश सात वर्ष एवं रितेश पाँच वर्ष है स एक डंफर रामकोला फैक्ट्री से फ्रेस्मेड लेकर सिरजन ट्रैडर्स सीएनजी प्लांट पर गिराने गया था स फ्रेस्मेंड गिराकर सुबह 9रू30 बजे वापस जा रहा था स कैलाश साहनी का नाती रितेश अपने घर के पास ही खेल रहा था स इसी दौरान सिरजन सीएनजी प्लांट से फ्रेस्मेंड गिराकर जाते समय 100मीटर दूर अपने घर के सामने खेल रहे पाँच वर्षीय रितेश डंफर के चपेट में आ गया स जिससे उसकी तत्काल मौके पर ही मौत हो गई स जिसके बाद उग्र परिजनों ने शव को लेकर सीएनजी प्लांट के अंदर लाकर रख प्लांट के मालिक एवं डंफर चालक के खिलाफ कार्यवाई की माँग करने लगे स सूचना पाकर स्थानीय थाने के अलावा कोतवाली, महिला थाना, नेबुआ नौरंगिया व कुबेर स्थान की पुलिस पहुच गई स तीन घंटे तक पोस्टमार्टम ले जाने हेतु पुलिस मान मनौवल करती रही लेकिन मृतक के परिजन शव देने को तैयार नही थे स पुलिस ने सख्ती अपनाते हुए कार्यवाई के आश्वासन देकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सागरिया पट्टी की बैठक में देवेश दास व नीरज दास बने हनुमानगढ़ी के पुजारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी की सागरिया पट्टी की पंचायती बैठक में दो युवा संतों को हनुमानजी महाराज की सेवा–पूजा का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। बैठक में सर्वसम्मति से संत देवेश दास और नीरज दास को हनुमानगढ़ी का पुजारी नियुक्त किया गया।यह बैठक धर्मसम्राट महंत ज्ञानदास महाराज की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें पट्टी के सैकड़ों नागा संत उपस्थित रहे। परंपरा के अनुसार पुजारपना की यह व्यवस्था समयावधि के आधार पर क्रम से चलती है। सागरिया पट्टी की निर्धारित अवधि पर आयोजित इस पंचायती बैठक में सभी नागा संतों ने महंत संत दास महाराज के शिष्य देवेश दास तथा महंत जमुना दास महाराज के शिष्य नीरज दास को हनुमानजी महाराज की सेवा–पूजन का दायित्व सौंपने का निर्णय लिया।नवनियुक्त दोनों पुजारियों को श्री हनुमानजी महाराज के समक्ष ले जाकर दंडवत कराया गया और महावीरी से उनका अभिषेक कराकर सेवा कार्य का दायित्व ग्रहण कराया गया। बैठक को संबोधित करते हुए धर्मसम्राट महंत ज्ञानदास महाराज ने बताया कि हनुमानगढ़ी श्रीपंच रामानंदी निर्वाणी अखाड़ा की प्रधान पीठ है और यहां के संत त्याग, तपस्या तथा धर्मरक्षा की परंपरा के प्रतीक हैं।उन्होंने संतों को अनुशासन का स्मरण कराते हुए कहा कि कभी–कभी कुछ संत सायंकालीन स्नान के बाद बिना तिलक लगाए आश्रम से बाहर निकल जाते हैं, जो उचित नहीं है। तिलक संतों की पहचान है और यह बताता है कि हम हनुमानगढ़ी के संत हैं। पीठ की मर्यादाओं और सिद्धांतों का पालन ही संतों के सम्मान और प्रतिष्ठा का आधार है। अखाड़े के सभी नियम आचार्यों द्वारा संतों की गरिमा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं।

बैठक के अंत में धर्मसम्राट महंत ज्ञानदास महाराज के उत्तराधिकारी तथा संकटमोचन सेना के अध्यक्ष महंत संजय दास महाराज ने उपस्थित सभी संतों के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं श्री हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन श्रीमहंत प्रेमदास जी महाराज के उत्तराधिकारी, हनुमत संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य महंत डॉ. महेश दास महाराज और वरिष्ठ पुजारी महंत हेमंत दास ने परंपरागत रीति से सभी का स्वागत किया।बैठक में तीनों अनियों के पूर्व प्रधानमंत्री महंत माधव दास, महंत बलराम दास, बाबा सरोज दास, बाबा रामप्रसाद दास, इंद्रदेव दास पहलवान, नागा रामदास, महंत सुरेंद्र दास, बाबा लक्ष्मण दास, विवेक दास, सरवन दास, पुजारी अनिल दास, अंबिका दास, मोहन दास, अंकित दास सहित अनेक संत उपस्थित रहे।

कृषि यंत्रों की ई–लॉटरी संपन्न, 5 किसानों का चयन

संवाददाता–श्रावस्ती। कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में कृषि यंत्रों की ई–लॉटरी संपन्न हुई। जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई इस प्रक्रिया में 34 ऑनलाइन आवेदकों में से 5 किसानों का चयन किया गया।

कृषि विभाग द्वारा संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन और प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन–सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू कार्यक्रमों के तहत वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए कृषि यंत्रों की बुकिंग 25 फरवरी से 04 मार्च 2026 तक की गई थी। इस अवधि में जिले के 34 किसानों ने कुल 5 कृषि यंत्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। शुक्रवार को आयोजित ई–लॉटरी प्रक्रिया में सुपर सीडर, हैरो, लेजर लैंड लेवलर, स्ट्रॉ रीपर और पावर वीडर जैसे कृषि यंत्रों के लिए पात्र किसानों का चयन किया गया। यह पूरी प्रक्रिया जिलाधिकारी की उपस्थिति में पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई।

उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चंद्र चौधरी ने बताया कि ई–लॉटरी में चयनित किसानों को कृषि यंत्र खरीदने के बाद उसका बिल ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 10 दिन का समय दिया गया है। किसानों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उन्होंने बताया कि बिल अपलोड होने के उपरांत विभागीय अधिकारियों द्वारा यंत्रों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन पूर्ण होने के पश्चात किसानों को देय अनुदान राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी जाएगी।

इस अवसर पर उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चंद्र चौधरी सहित कृषि विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। अधिकारियों ने किसानों से कृषि यंत्रीकरण योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने और आधुनिक कृषि उपकरणों के उपयोग से खेती को अधिक लाभकारी बनाने की अपील की।

पेट्रोल पंपों पर लगी लाइनें, दाम बढ़ने की आशंका पर पेट्रोल–डीजल डंप कर रहे लोग

संवाददाता–बहराइच। ईरान, इस्राइल व अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बाद तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका से बहराइच के ग्रामीण इलाकों में अफरातफरी का माहौल है। इसी डर से शुक्रवार को पेट्रोल–डीजल लेने के लिए पेट्रोल पंपों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई जगहों पर लंबी–लंबी कतारें लग गईं। पंप संचालकों को व्यवस्था संभालना मुश्किल हो गया। सबसे ज्यादा दबाव सुजौली क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर देखा गया। सुबह से ही बाइक, कार और डीजल लेने आए किसानों की भीड़ लगनी शुरू हो गई। कई ग्रामीण अतिरिक्त डिब्बों और गैलनों में भी पेट्रोल–डीजल भरवाते नजर आए। ताकि, भविष्य में कीमत बढ़ने या आपूर्ति प्रभावित होने की स्थिति में परेशानी न हो। भीड़ बढ़ने से अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को लाइन में लगाकर ईंधन दिलाने की व्यवस्था कराई।

पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि सामान्य दिनों की तुलना में अचानक कई गुना अधिक ग्राहक पहुंच गए। इससे कुछ समय के लिए वितरण व्यवस्था प्रभावित हो गई। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय हालात को देखते हुए तेल के दाम बढ़ने की आशंका है, इसलिए लोग पहले से ही ईंधन भरवा रहे हैं। पुलिसकर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और सामान्य रूप से ईंधन लेने की अपील की है, ताकि अनावश्यक भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति न बने।

विकास के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप, धरना

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा ब्लॉक के चनकौली गांव के लोग गांव में विकास कार्यों में अनियमितता का आरोप लगाकर लामबंद हो गए हैं। अनियमितता व सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए जांच की मांग को लेकर शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर धरना दिये। साथ ही प्रधान और सचिव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।डीएम को शिकायत पत्र देकर आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत में विभिन्न विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग किया गया है। फर्जी भुगतान किया गया है। इस मामले में पहले ही डीएम द्वारा जांच के आदेश दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक जांच पूरी कर उसकी आख्या सार्वजनिक नहीं की गई है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत के कुछ भुगतान मनचाही फर्म के नाम पर कराया गया है। यदि इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई और अनियमितताएं उजागर हो सकती हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी द्वारा दिए गए जांच आदेश के आधार पर तत्काल जांच पूरी कर उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने, जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किए जाने, जन सूचना के नाम पर लिए गए 20 हजार रुपये की राशि वापस कराने की मांग की है। धरने में रामसनेही, अवधेश कुमार, श्रीराम सैनी, रविंद्र गिरिया, बल्लू शर्मा, हरिपाल निषाद, सुकई भारती, महेंद्र भारती, निरंजन, सुभाष आदि शामिल रहे।

तेज रफ्तार ट्रक–टैंकर की भिड़ंत में दो खलासियों की मौत, चालक बाल–बाल बचा

संवाददाता–देवरिया। जिले के भाटपाररानी थाना क्षेत्र के फुलवरियादृमझौली मार्ग पर शुक्रवार की भोर में ट्रक और टैंकर की आमने–सामने हुई भिड़ंत में टैंकर में सवार दो खलासियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टैंकर चालक बाल–बाल बच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि भारत पेट्रोलियम का टैंकर शुक्रवार की भोर में मैरवा से पेट्रोल खाली कर वापस बैतालपुर स्थित भारत पेट्रोलियम डिपो जा रहा था। इसी दौरान भाटपाररानी थाना क्षेत्र के फुलवरिया स्थित पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक से उसकी आमने–सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैंकर में सवार दो खलासियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक किसी तरह बच गया।हादसे में मृतकों की पहचान गौरी बाजार थाना क्षेत्र के गुड़ही गांव निवासी शेषनाथ (35) पुत्र गिरधारी तथा बिहार के नालंदा जनपद के बिहार शरीफ थाना क्षेत्र के बनौलिया गांव निवासी मोहम्मद अफरोज (45) पुत्र मोहम्मद शमी के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुट गई। थानाध्यक्ष भाटपाररानी अभिषेक कुमार राय ने बताया कि ट्रक और टैंकर की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई है। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और मामले की जांच की जा रही है।

रोली मदेशिया को यूपीएससी में 457वीं रैंक

संवाददाता–बहराइच। यूपीएससी के शुक्रवार को जारी अंतिम परिणाम में बहराइच जिले की रोली मदेशिया ने 457वीं रैंक हासिल की है। मिहिपुरवा नगर पंचायत निवासी संतोष मदेशिया की पुत्री रोली की इस सफलता से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। रोली की प्रारंभिक शिक्षा मिहिपुरवा के सरस्वती विद्या मंदिर, कन्या जूनियर बालिका विद्यालय और सर्वोदय इंटर कॉलेज से हुई। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से गणित विषय में बीएससी की पढ़ाई पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए रोली ने आईआईटी बॉम्बे से स्नातकोत्तर (पीजी) की डिग्री प्राप्त की। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह पिछले तीन वर्षों से यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही थीं। रोली के पिता संतोष मदेशिया एक व्यापारी हैं जिनकी मिहिपुरवा में रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। रोली को यह महत्वपूर्ण सफलता अपने चौथे प्रयास में मिली है। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षकों और क्षेत्र के लोगों ने बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ईंधन कमी की अफवाहें पेट्रोल पंपों पर बढ़ी भीड

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में ईंधन की कमी की अफवाहों के बाद पेट्रोल पंपों पर भीड़ बढ़ गई है। इस स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने लोगों से संयम बरतने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। प्रशासन ने पेट्रोल पंप संचालकों और गैस एजेंसियों के लिए भी स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी किए हैं।

जिला पूर्ति अधिकारी (वै) देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि उनके संज्ञान में आया है कि कुछ लोग पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाहें फैला रहे हैं। इसके कारण लोग अनावश्यक रूप से ईंधन का भंडारण कर रहे हैं। कई लोग ड्रम, टैंकर या अन्य बड़े कंटेनरों में पेट्रोल–डीजल भरवा रहे हैं, साथ ही वाहनों की टंकियां भी पूरी तरह भरकर अतिरिक्त ईंधन जमा कर रहे हैं।

इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिए गए हैं। अब बिना किसी अपरिहार्य कारण के किसी भी व्यक्ति को ड्रम, टैंकर या बड़े कंटेनरों में पेट्रोल या डीजल नहीं दिया जाएगा। केवल सामान्य वाहनों में आवश्यकतानुसार ही ईंधन उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि कृत्रिम कमी की स्थिति उत्पन्न न हो।

सोशल मीडिया पर एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी को लेकर भी भ्रामक खबरें प्रसारित हो रही हैं। इस संबंध में, जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी गैस एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वे नियमानुसार गैस वितरण की व्यवस्था बनाए रखें। जिन उपभोक्ताओं ने विधिवत गैस बुकिंग कराई है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं। एजेंसियों को लंबित बुकिंग को प्राथमिकता देते हुए समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। आम लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। जिला पूर्ति अधिकारी ने यह भी कहा कि अफवाहों के कारण अनावश्यक भीड़ और भंडारण से आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो सकती है, इसलिए सभी लोग जिम्मेदारी से काम करें।

बुजुर्ग महिला को ट्रेलर ने रौंदा, मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। बखिरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक सड़क हादसे में 68 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। हरदी गांव निवासी दुधेसरी देवी पेंशन निकालने के लिए बखिरा स्थित बैंक जा रही थीं। दोपहर करीब 2:30 बजे बेणी माधव गोपी नाथ इंटर कॉलेज बखिरा के सामने एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उन्हें रौंद दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर के सभी पहिए महिला के ऊपर से गुजर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह और चौकी प्रभारी राजीव कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय ग्रामीणों ने मौके पर मौजूद ट्रेलर चालक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतका के भतीजे कृष्ण स्वरूप त्रिपाठी ने बताया कि उनकी चाची दुधेसरी देवी पेंशन लेने बैंक जा रही थीं, तभी लापरवाहीपूर्वक तेज गति से चल रहे ट्रेलर ने उन्हें कुचल दिया। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में तहरीर मिल गई है और मामले की जांच की जा रही है। बताया जाता है कि मृतका के पति शम्भू मणि की काफी पहले मृत्यु हो चुकी है। परिवार में उनकी एक बेटी गुड़िया त्रिपाठी हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बेणी माधव गोपी नाथ इंटर कॉलेज के सामने का क्षेत्र काफी व्यस्त रहता है।

एनएसएस के शिविर में दिया समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

नगर बाजार (बस्ती)। विकास खण्ड बस्ती सदर के राम सहाय सिंह कन्या महाविद्यालय महरीपुर द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत ग्राम कुसमौर में सात दिवसीय विशेष शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में महाविद्यालय की दोनों एनएसएस इकाइयोंकृस्वामी विवेकानंद इकाई और रानी लक्ष्मी बाई इकाईकृके स्वयंसेविकाओं ने सक्रिय भागीदारी की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रघुनाथ चौधरी (एसोसिएट प्रोफेसर, एन.पी.जी. कॉलेज), विशिष्ट अतिथि डॉ. बृजेश कुमार दूबे एवं ग्राम प्रधान कुसमौर पवन कुमार यादव की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। अतिथिगणों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार चतुर्वेदी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी स्वामी विवेकानंद इकाई के सत्य प्रकाश सोनकर, रानी लक्ष्मी बाई इकाई की डॉ. रुखसार फातिमा, राजेश दुबे, नीरज त्रिपाठी, डॉ. कृष्णकुमार प्रजापति, श्रीमती मंजरी सिंह,सूर्यपाल वर्मा, आदर्श मौर्य, दुर्गेश शुक्ला सहित महाविद्यालय के अन्य सम्मानित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि डॉ. रघुनाथ चौधरी ने छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों, इसके सामाजिक महत्व तथा युवाओं की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए युवतियों को प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. बृजेश कुमार दूबे ने सेवा भावना को अपनाते हुए समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी की अपील की और कहा कि एनएसएस जैसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम का सुंदर संचालन नीरज त्रिपाठी द्वारा किया गया। समापन अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार चतुर्वेदी ने अपने प्रेरक संबोधन में छात्राओं को सशक्त बनने, सेवा भावना से जुड़ने तथा सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए समाज एवं राष्ट्र के उत्थान में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है, जब वे राष्ट्रीय हित और सामाजिक कर्तव्य की भावना को अपने जीवन का अभिन्न अंग बना लें।

यह विशेष शिविर महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता, सेवा एवं सामाजिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महाविद्यालय प्रशासन ने ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई है, ताकि छात्राएँ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बेहतर ढंग से समझ सकें और योगदान दे सकें।

मेंहदावल तहसील बार एसोसिएशन चुनावः रामकुमार अध्यक्ष और विजय महामंत्री बने, सूर्य प्रकाश कोषाध्यक्ष चुने गए

संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल तहसील बार एसोसिएशन के चुनाव शुक्रवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। मतगणना के बाद रामकुमार यादव अध्यक्ष और विजय कुमार मिश्र महामंत्री निर्वाचित घोषित किए गए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर बराबर मत मिलने के बाद सिक्का उछालकर विजेता का फैसला किया गया, जिसमें अकबर अली को जीत मिली। अध्यक्ष पद के चुनाव में रामकुमार यादव को कुल 72 मतों में से 39 मत प्राप्त हुए। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी गोपाल राय को 7 मतों के अंतर से पराजित किया, जिन्हें 32 मत मिले। एक मत अमान्य घोषित किया गया। महामंत्री पद के लिए हुए चुनाव में विजय कुमार मिश्र ने 38 मत हासिल कर जीत दर्ज की। उन्होंने राजकुमार मिश्र को 5 मतों से हराया, जिन्हें 33 मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर सूर्य प्रकाश दुबे को 38 मत मिले और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी श्री प्रकाश पांडे को 7 मतों से पराजित किया। श्री प्रकाश पांडे को 31 मत प्राप्त हुए। वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए अकबर अली और अवेध नाथ पांडे को 26–26 मत मिले, जिससे चुनाव परिणाम टाई हो गया। इसके बाद सिक्का उछालकर फैसला किया गया, जिसमें सिक्का अकबर अली के पक्ष में गिरा और उन्हें विजेता घोषित किया गया। इसके अलावा कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर इसरत अली और मोहम्मद इमरान, संयुक्त मंत्री प्रथम पद पर महेंद्र मणि त्रिपाठी, संयुक्त मंत्री द्वितीय पद पर रामशब्द यादव तथा संयुक्त मंत्री तृतीय पद पर मूली मिश्रा पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे। चुनाव प्रक्रिया कार्यवाहक एल्डर कमेटी के चेयरमैन एवं चुनाव अधिकारी मुरारीलाल यादव तथा सदस्यों गोपाल प्रसाद और हरि गोविंद राय की देखरेख में संपन्न हुई।

बार एसोसिएशन चुनाव सम्पन्न, इंद्रमणि अध्यक्ष और मोहम्मद हुसैन महामंत्री बने

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज में बार एसोसिएशन डुमरियागंज तहसील इकाई के चुनाव शुक्रवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। पुलिस बल की मौजूदगी में हुए मतदान और मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए गए। इसमें एडवोकेट इंद्रमणि पाण्डेय अध्यक्ष और एडवोकेट मो. हुसैन महामंत्री निर्वाचित हुए। चुनावी प्रक्रिया के तहत मतदान सुबह 10 बजे शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक चला। इसके बाद मतगणना की गई। चुनाव अधिकारी एडवोकेट विनोद कुमार द्विवेदी और सहायक चुनाव अधिकारी अवधेश कुमार राही ने बताया कि कुल 69 मतदाताओं में से 59 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिए पड़े मतों में से दो–दो मत अवैध पाए गए। अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में एडवोकेट इंद्रमणि पाण्डेय को 41 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एडवोकेट अब्दुल कय्यूम को 16 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार इंद्रमणि पाण्डेय को अध्यक्ष चुना गया। वहीं, महामंत्री पद के चुनाव में एडवोकेट मो. हुसैन ने 38 मत प्राप्त किए, जबकि अखिलेश कुमार मिश्रा को 19 मत मिले। इस परिणाम के साथ मो. हुसैन महामंत्री निर्वाचित हुए। परिणाम घोषित होने के बाद विजयी उम्मीदवारों और उनके समर्थकों ने एक–दूसरे को बधाई दी। अधिवक्ताओं ने अबीर–गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। उपनिरीक्षक मनोज पटेल, रामशब्द यादव, केदारनाथ पासवान, अकरम खां, हेड कांस्टेबल कृष्णकांत गुप्ता, कांस्टेबल शिवम सिंह, तानसेन यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौके पर मुस्तैद रहे।

इस अवसर पर एडवोकेट इकबाल यूसुफ मलिक, रमापति सिंह, श्रीकांत श्रीवास्तव, रामबहादुर यादव, भूपेंद्र मिश्रा, शिवशंकर चौबे, विकास सिंह, वीरेंद्र सिंह, राकेश श्रीवास्तव, विनोद कुमार सिंह, श्याम नारायण वर्मा, दीनदयाल यादव, रामपाल सिंह, भारत भूषण यादव, हरिश्चंद्र सिंह, गंगा प्रसाद गुप्ता, हरीराम जायसवाल, ताराममणि मौर्या सहित कई अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी अशोक कुमार पुत्र स्वर्गीय लालमन ग्राम– अण्डा पोस्ट–सण्डा जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरी पुत्री का सही नाम अर्चिता है। आधारकार्ड में उसका नाम त्रुटिबश अर्पिता हो गया है जो गलत है। उसे सही नाम अर्चिता कराया जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
कायमी/वाद सं0–
D201617140007194
धारा 30 (1) उ0प्र0भू0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान मुख्य राजस्व अधिकारी बस्ती जिला–बस्ती
हरीराम
बनाम
लालबहादुर आदि

बावत मौजा अठदमा तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

1. लालबहादुर 2. जंगबहादुर 3. सन्तोष कुमार पुत्रगण रामनेवास 4. श्रीमती सुगना देवी पत्नी रामनेवास 5. श्रीमती गिरजा देवी पत्नी मदन चन्द्र यादव साकिनान अठदमा तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती –विपक्षीगण प्रथम वर्ग 6. इन्द्रपति पाण्डेय पुत्र धर्मदत्त पाण्डेय 7. नन्दू पुत्र सजीवन साकिनान अठदमा तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 8. ग्राम पंचायत अठदमा प्रधान द्वारा गांव पंचायत प्रधान अठदमा तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

9. सरकार उ0प्र0 द्वारा श्रीमान जिलाधिकारी बस्ती

–विपक्षी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 25–03–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 06 माह 03 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 05/ 2025
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान–सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर
सिद्धेश्वरी
बनाम
गोरखनाथ दूबे आदि

1. गोरखनाथ दूबे पुत्र स्व0 बालगोविन्द आयु करीब 58 साल 2. रवि दूबे आयु करीब 35 साल पुत्र गोरखनाथ दूबे निवासीगण ग्राम गौहनिया तप्पा सिरवत परगना नौगढ़ तहसील शो0हरतगढ़ पो0 उदयराजगंज जनपद–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 31–03–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **31–03–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
इजरा वाद सं0 01/2024
श्रीमती जमीरा आदि
बनाम
मुनिराम आदि

1. मुनिराम पुत्र धर्मराज 2/1 श्रीमती कुवांरी देवी पत्नी रम्मन 2/2/1 श्रीमती करोड़पती उर्फ चन्द्रावती पत्नी स्व0 राम वेलास 2/2/4 अखिलेश पुत्र राम वेलास 2/2/5 विमलेश पुत्र राम वेलास 4. रामस्वरूप पुत्र गजराज 5/1 गंगाराम पुत्र जगराम 6/1 श्रीमती फूलमती पत्नी रामनवल 6/2 ध्रुवनरायन पुत्र रामनवल 6/3 रामजनम पुत्र रामनवल निवासीगण ग्राम हसनापुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 09–03–2026

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2026 के माह 03 के 09 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान द्वितीय अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मुत0 अपील सं0–108/2020
रामवचन
बनाम
सरजू प्रसाद

4/1 प्रेमा पुत्री वीपत पत्नी हरिहर चौहान 4/2 शकुन्तला पुत्री वीपत पत्नी शेरे चौहान 4/3 शीला देवी पुत्री वीपत पत्नी ध्रुव चौहान 4/4 सुभावती देवी पुत्री वीपत पत्नी मोहन चौहान 4/5 गुड़िया देवी पुत्री वीपत पत्नी पाले चौहान 4/6 फुगुन पुत्री वीपत पत्नी भरत चौहान साकिनान सुवरहा तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 19–03–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 19 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0– 441/2025
कैलाशी देवी
बनाम
पुद्दन

1. पुद्दन आयु लगभग 42 वर्ष पुत्र सेतू निवासी ग्राम पकड़ीवक्तावर तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 17–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0– 456/2025
हरिशंकर दूबे
बनाम
चन्द्रकला देवी आदि

1. चन्द्रकला देवी पत्नी गिरजाशंकर साकिन बरतनिया हाल मुकाम ग्राम चौबाह तप्पा बडगोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. उर्मिला देवी पत्नी स्व0 शिवशंकर साकिन बरतनिया तप्पा बडगोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. परमानन्द पुत्र मातादीन साकिन बरतनिया तप्पा बडगोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 01–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0– 742/2025
टीड़ी
बनाम
श्रीमती अनारा आदि

1. श्रीमती अनारा उम्र 60 वर्ष पत्नी सुलई 2. श्रीमती सुमन देवी उम्र 32 वर्ष पत्नी प्रदीप कुमार 3. श्रीमती विन्द्रमती उम्र 30 वर्ष पत्नी संदीप कुमार निवासीगण मौजा मदनपुरा तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

4. सुलई उम्र 65 वर्ष पुत्र वृजमोहन साकिन मदनपुरा तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 28–03–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 529/2025
थाना–रूधौली
जिला–बस्ती
रेनू वर्मा
बनाम
रोहित कुमार वर्मा आदि

1. रोहित कुमार वर्मा उम्र लगभग 28 वर्ष 2. मोहित कुमार वर्मा उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्रगण मायाराम वर्मा 3. सरिता वर्मा उम्र लगभग 18 वर्ष 4. निरहा वर्मा उम्र लगभग 23 वर्ष पुत्रीगण मायाराम वर्मा 5. मायाराम वर्मा उम्र लगभग 54 वर्ष पुत्र राममिलन वर्मा 6. इन्द्रावती वर्मा उम्र लगभग 52 वर्ष पत्नी मायाराम वर्मा साकिनान जंगलीपुर (कोटिया) थाना भवानीगंज जिला–सिद्धार्थनगर

–विपक्षीगण

तारीख पेशी 17–03–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 17 मास 03 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0–C 202417000000290
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामनरायन तिवारी
बनाम
सोनमती आदि

1. सोनमती पत्नी मंगरू 2. चैतू पुत्र लक्षमन 3. लखन पुत्र अयोध्या 4. लालविहारी पुत्र पिताम्बर 5. नन्द लाल पुत्र पिताम्बर साकिनान मौजा लकड़ी तप्पा नेतवर परगना विनायकपुर तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर –उत्तरवादी प्रथम वर्ग 6. भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम पंचायत लकड़ी जरिये अध्यक्ष/प्रधान ग्राम लकड़ी तप्पा नेतवर परगना विनायकपुर तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर 7. राज्य सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर

–उत्तरवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 11–03–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 11 महीना 03 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 05 माह 03 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com